क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 235, गुरुवार, 20 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हाईकोर्ट ने दिल्ली में अनधिकृत पैथोलॉजी लैब्स के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में चल रहे अनधिकृत पैथोलॉजी लैब और क्लीनिकों को एक गंभीर मुद्दा बताते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को 'आप' सरकार को उन कदमों के बारे में बताने निर्देश दिया जो इन्हें नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए जाने तक इनके नियमन के लिए उठाए जा सकते हैं। चीफ जस्टिस राजेंद्र मेनन और जस्टिस वीके राव की बैंच ने दिल्ली सरकार को उन लैबोरेट्री और क्लीनिकों का निरीक्षण करने और यह पता लगाने का निर्देश दिया है कि कौन उन्हें संचालित कर रहे हैं और किस कानून के तहत उन्हें खोला गया है। कोर्ट ने कहा कि निरीक्षण के बाद सरकार को एक हलफ्नामा दाखिल कर उन कदमों के बारे में बताना चाहिए, जो इसके लिए एक कानून बनाए जाने तक उनके नियमन के लिए उठाए जा सकते हैं। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने दिल्ली में अनधिकृत रूप से चल रही पैथोलॉजी लैबों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के लिए दिल्ली के प्रधान स्वास्थ्य सचिव को निर्देश जारी किए हैं। बैंच ने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। जब तक एक नया कानून नहीं आता है, इस तरह की गतिविधियों को नियमित करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। बहरहाल, अदालत ने मामले को आगे सुनवाई 30 नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 51.64 लाख की विदेशी मुद्रा की तस्करी में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हवाईअड्डे पर 51.64 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा की कथित रूप से तस्करी की कोशिश कर रहे एक भारतीय को सीमा शुल्क अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। बुधवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, आरोपी को मंगलवार हवाईअड्डा पर रोका गया। वह बैंकॉक जा रहा था। सीमा शुल्क विभाग ने बयान में कहा कि संदेह होने पर सुरक्षा कर्मियों ने यात्री और उसके सामान की तलाशी ली। उसके पास से 72,900 डॉलर की विदेशी मुद्रा बरामद हुई। उसने यह मुद्रा अवैध तरीके से देश से बाहर तस्करी करने के इरादे से रखी थी। इसके अनुसार यह विदेशी मुद्रा 51.64 लाख रुपये के बराबर है, जिसे जब्त कर लिया गया है और यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है।

3 पुलिस वालों पर FIR दर्ज होने के बाद काम पर लौटे वकील

ग्रेटर नोएडा। पुलिसकर्मी द्वारा वकील को थप्पड़ मारने के विरोध में जारी हड़ताल बुधवार को खत्म हो गई। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर ने 3 पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज होने के बाद हड़ताल वापस ले ली है। वकीलों की मांग पर एक हाउसिंग प्रोजेक्ट के मालिक के साथ ही तीन पुलिस कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बाद कोर्ट का कामकाज शुरू हो गया। जानकारी के मुताबिक, एक वकील के साथ हुए विवाद में फेस-3 चौकी में एक सिपाही ने थप्पड़ मार दिया था। इससे गुस्साए वकीलों ने अदालती काम रोक दिया था और कोर्ट में तालाबंदी कर दी थी। दरअसल, कुछ वकील एक हाउसिंग प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे थे। इसी दौरान एक पुलिसकर्मी ने एक वकील को थप्पड़ मार दिया था।

हरियाणा: 20 साल की महिला से गैंगरेप, दोस्त को रस्सी से बांधकर जंगल में फेंका

गुड़गांव। हरियाणा के रेवाड़ी में हुए गैंगरेप का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि फिर बल्लभगढ़ में एक गैंगरेप की वारदात सामने आई है। यहां मंगलवार रात एक 20 साल की लड़की के साथ मारपीट कर गैंगरेप करने का आरोप है। फरीदाबाद के सेक्टर-3 में रहने वाली 20 साल की एक लड़की मंगलवार रात करीब 10 बजे अपने एक दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर आईएमटी की तरफ घूमने गई थी। वहां आउटर बाईपास पर चार लोगों ने उनकी बाइक रुकवा ली और दोनों के साथ मारपीट की। मारपीट करने के बाद चारों लोगों ने युवती के दोस्त को रस्सियों से बांधकर जंगल में फेंक दिया और फिर सभी ने युवती के साथ बारी-बारी बलात्कार किया। युवती ने जब इसका विरोध किया तो उन युवकों ने उसके साथ मारपीट की और अपनी हवस का शिकार बनाते रहे। एसीपी बल्लभगढ़ बलवीर सिंह की मानें तो उन्हें मंगलवार रात को सूचना मिली थी।

केजरीवाल, सिसोदिया व 11 आप विधायकों को समन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश से मारपीट के मामले में अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के अलावा आप के 11 विधायकों को बतौर आरोपी समन जारी किया है।

पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट समर विशाल ने कहा कि आरोप पत्र में पेश साक्ष्यों के आधार पर सभी के खिलाफ समन जारी करने के पर्याप्त आधार हैं। उन्होंने यह कहते हुए सभी से 25 अक्टूबर को पेश होने को कहा। इस मामले में अदालत ने पुलिस के 13 अगस्त को दाखिल आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए 11 विधायक अमानतुल्ला खान, प्रकाश जारवाल, नितिन त्यागी, ऋतुराज गोविंद, संजीव झा, अजय दत्त, राजेश ऋषि, राजेश गुप्ता, मदन लाल, प्रवीण कुमार व दिनेश मोहनिया को भी समन जारी किया है। अदालत ने 25 अगस्त को आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुये आरोपियों को समन जारी करने पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अगले सुनवाई के दिन आरोपियों के पेश होने पर उन्हें आरोप पत्र की प्रति दी जाएगी और उनके जमानत याचिका दाखिल किये जाने की दशा में उसपर विचार किया जाएगा। आरोप पत्र में कहा गया है कि केजरीवाल के सरकारी आवास पर विगत 19 फरवरी की रात की बैठक में मुख्य सचिव अंशु प्रकाश के साथ बदसलूकी की और मारपीट की। गत सुनवाई के दिन अदालत ने केजरीवाल सहित अन्य विधायकों के उस अनुरोध को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने पुलिस से आरोप पत्र के मुद्दे को मीडिया के साथ साझा करने से रोकने का आग्रह किया था।

दिव्यांगों के कार्यक्रम में बोले मंत्री बाबुल सुप्रीयो- तोड़ सकते हैं तुम्हारी टांग

एजेंसी ,नई दिल्ली। वैसे तो केन्द्रीय मंत्री बाबुल सुप्रीयो के लिए विवाद कोई नया नहीं। लेकिन इस बार फिर से वह एक विवाद में उस वक्त आ गए जब उन्होंने लोगों को अपने संबोधन के दौरान एक शख्स के पैर तोड़ने और उसके हाथ में बैसाखी देने की बात कही। केन्द्रीय मंत्री एक वीडियो में पश्चिम बंगाल के आसनसोल में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मंच से यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं।

हरियाणा : रेवाड़ी गैंगरेप के विरोध में व्यापारियों ने रखा कोसली शहर बंद, सूने रहे बाजा

रेवाड़ी, एजेंसी। हरियाणा के रेवाड़ी में 19 वर्षीय लड़की से गैंगरेप के विरोध में रेवाड़ी जिले के कोसली शहर के कारोबारियों ने बुधवार को बंद का आह्वान किया। घटना के विरोध में कुछ सामाजिक संगठनों और निवासियों ने मार्च भी निकाला। उन्होंने मामले में फरार चल रहे दो अहम आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा की मांग की। दो अहम आरोपियों में मनीष नाम का एक लड़का और सेना का एक जवान शामिल है जिसकी पहचान पंकज के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि रेवाड़ी जिले की रहने वाली 19 वर्षीय लड़की को महेन्द्रगढ़ जिले के कनीना शहर में एक बस स्टॉप से 12 सितंबर को उसे उस वक्त अगवा कर लिया गया था जब वह कोचिंग क्लास के लिए जा रही थी। उसे नशीला पदार्थ दिया गया और सिंचाई के लिए बने एक ट्यूबवेल के कमरे में उससे कथित रूप से गैंगरेप किया गया। प्रदर्शनकारियों ने लड़की के लिए सरकार से सभी जरूरी मदद और समर्थन मांगा है। बंद के दौरान शहर में वाणिज्यक प्रतिष्ठान बंद रहे और बाजार में वीरानी छाई थी। इससे पहले 25 गांवों की 'महापंचायत' में घटना के विरोध में कोसली शहर में बंद का आह्वान किया गया था। गैंगरेप की इस घटना के चलते विपक्षी दलों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से यह कहकर नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग की है कि राज्य सरकार अपनी बेटियों की रक्षा करने में नाकाम है। पुलिस मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपी नीशू के अलावा मामले में दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हरियाणा पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने दोनों आरोपियों में से एक की पहचान मेडिकल प्रैक्टिस करने वाले संजीव के तौर पर की है। संजीव अपराध के बाद लड़की से मिलने वाला पहला शख्स था। दूसरा आरोपी दीनदयाल है जो उस संपत्ति का मालिक है जहां लड़की से कथित रूप से गैंगरेप हुआ था।

मोहन भागवत बोले- गौ रक्षा के नाम पर कानून हाथ में ना लें

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के तीन दिवसीय अधिवेशन के अंतिम दिन संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गौ रक्षा पर कहा कि कानून को अपने हाथों में लेना अपराध है। उन्होंने कहा कि गौ रक्षा केवल कानून से नहीं होती है। गौरक्षा करने वाले देश के नागरिक गाय को पहले रखें। गाय को रखें नहीं और खुला छोड़ देंगे तो उपद्रव होगा, तो गौरक्षा के बारे में आस्था पर प्रश्न लगता है। मोहन भागवत ने कहा कि भारत में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, पहचान की दृष्टि से, राष्ट्रीयता की दृष्टि से। मोहन भागवत ने हिंदुत्व के बारे में कहा कि इसके खिलाफ कोई भी आक्रोश नहीं है।

रॉफेल: कांग्रेस के आरोपों पर रक्षा मंत्री का पलटवार

यूपीए के समय ही डील से बाहर हो गई थी एचएएल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रॉफेल विमान सौदे पर सरकार और प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी द्वारा मंगलवार को लगाए गए आरोपों पर रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने पलटवार किया। रक्षा मंत्री ने रॉफेल डील से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बाहर होने को लेकर कांग्रेस की यूपीए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पिछली सरकार के समय में ही सरकारी कंपनी प्रॉडक्शन टर्म्स पर डसॉल्ट एविएशन से सहमत नहीं हो सकी। ऐसे में यूपीए सरकार के समय में ही एचएएल डील से बाहर हो गई थी।

उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए सरकार को राफेल लड़ाकू विमान यूपीए के समय हुई डील से 9 फीसदी सस्ते रेट पर मिल रहे हैं। निर्मला ने कहा, कि डील यूपीए के दौरान नहीं हुई। इसके अलावा यूपीए के दौरान एचएएल और डसॉल्ट के बीच प्रॉडक्शन टर्म्स को लेकर सहमति भी नहीं बन सकी थी। ऐसे में एचएएल और रॉफेल एक साथ काम नहीं कर सकते थे। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि एचएएल के साथ कौन नहीं गया, किस सरकार के समय ऐसा हुआ? कांग्रेस को इसका जवाब देना चाहिए।

आखिर कितना सस्ता है रॉफेल?

इससे पहले कांग्रेस के नेता और पूर्व रक्षा मंत्री ने सवाल उठाते हुए कहा था कि मोदी सरकार कह रही है कि राफेल सस्ते रेट पर खरीदे जा रहे हैं तो सरकार ने संख्या कम क्यों कर दी। उन्होंने कहा कि कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने हाल में दावा किया था कि नए अग्रीमेंट में एयरक्रॉफ्ट यूपीए डील की तुलना में 9 पर्सेंट सस्ता मिल रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह 20 पर्सेंट सस्ता मिल रहा है, जबकि एयर फोर्स के एक अधिकारी ने कहा कि यह 40 पर्सेंट सस्ता है। एंटनी ने कहा कि अगर इतना ही सस्ता है तो 126 से ज्यादा क्यों नहीं खरीदे गए।

किस बात को लेकर है विवाद?

दरअसल, पूरा मामला एचएएल को नजरअंदाज कर रिलायंस को डसॉल्ट से कॉन्ट्रैक्ट मिलने का है। विपक्ष इस पर सरकार को घेरने में लगा है। इससे पहले अनुभव की कमी और सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को नजरअंदाज किए जाने के मुद्दों पर रिलायंस ने जवाब दिया था। कंपनी ने अपनी सफाई में कहा था कि डसॉल्ट ने रिलायंस डिफेंस को ऑफसेट या एक्सपोर्ट काम के लिए चुना है। विदेशी वेंडर के लिए भारतीय पार्टनर चुनने में रक्षा मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं है।

जेपीसी से बच रही सरकार: एंटनी

कांग्रेस ने रॉफेल विमान सौदे में 'प्रक्रियाओं का उल्लंघन' करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण पर निशाना साधा। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी ने सवाल किया कि आखिर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से बचकर सरकार क्या छिपाने की कोशिश कर रही है?

बाजवा को गले लगाने से बच सकते थे नवजोत सिंह सिद्धू

रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा पाक सेना प्रमुख को गले लगाने से देश के सैनिक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब के मंत्री ऐसा करने से बच सकते थे। क्रिकेट खिलाड़ी से राजनीतिक नेता बने सिद्धू ने पाक सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा को गले लगाकर विवाद खड़े कर दिए थे। वह इमरान खान के पीएम पद के लिए शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पाक गए थे। सिद्धू ने दावा किया कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि बाजवा ने उन्हें कहा था कि पाक सरकार भारत के पंजाब राज्य के सिख श्रद्धालुओं के लिए कतारपुर गलियारे को खोलने की दिशा में काम कर रही है। सीतारमण ने इंडियन वुमन प्रेस कोर में कहा, सिद्धू के बहुत से प्रशंसक हैं। उनके कद का कोई व्यक्ति वहां जाकर वहां की सेना के प्रमुख को गले लगाता है, वह सेना जिसके बारे में भारत की भावनाएं बिलकुल स्पष्ट हैं, तो इसका सैनिकों पर निश्चित ही प्रभाव पड़ता है। इससे जनता का मनोबल गिरता है। मुझे लगता है कि सिद्धू इससे बच सकते थे। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर ने भी सिद्धू पर हमला बोला। हरसिमरत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नवजोत पर निशाना साधा और उनपर देश के लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। हरसिमरत ने कहा, जब नवजोत पाकिस्तान से वापस आए थे तो उन्हें काले झंडे दिखाए गए थे।

ग्रेनोप्रा के पूर्व जीएम के छह ठिकानों पर आयकर के छापे

ग्रेटर नोएडा में स्कूल, हॉस्टल, कामर्शियल प्रोजेज़्ट, दादरी में बैंकट हॉल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में ग्रुप हाउसिंग प्रोजेज़्ट समेत अकूत सज़्पज़ि के कागजात बरामद

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। आयकर विभाग ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के पूर्व महाप्रबंधक व भाजपा नेता रविंद्र तोंगड़ के आवास, स्कूल, हॉस्टल व पैतृक गांव समेत छह स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान अकूत सम्पत्ति के कागजात बरामद हुए हैं। तोंगड़ का ग्रेटर नोएडा में स्कूल, हॉस्टल, कमर्शियल प्रोजेक्ट, दादरी में बैंकट हॉल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट समेत अकूत सम्पत्ति बताई गई है। तोंगड़ जब प्राधिकरण में महाप्रबंधक के पद पर तैनात थे उस समय भी आयकर विभाग का छापा पड़ा था। सूत्र बताते हैं कि तोंगड़ का दिल्ली व देहरादून में भी कई प्रोजेक्ट हैं। नौकरी के दौरान रविंद्र के बसपा नेताओं से बहुत अच्छे संबंध थे। उस समय तोंगड़ को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रॉपर्टी विभाग के अलावा अन्य कई विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। माना जा रहा है उसी समय तोंगड़ ने अकूत सम्पत्ति अर्जित की थी।

आयकर विभाग की कई टीमें मंगलवार को सुबह रविंद्र के सेक्टर बीटा-एक स्थित आवास, कौशल्या वर्ल्ड स्कूल, हॉस्टल तथा पैतृक गांव आनंदपुर (दादरी के पास) पहुंची और छानबीन की। आयकर विभाग के अधिकारियों के साथ भारी संख्या में पुलिस बल भी था। विभाग के अधिकारियों ने परिवार के सभी सदस्यों के मोबाइल फोन आदि जमा कर लिए और बाहर आने जाने पर पाबंदी लगा दी। उल्लेखनीय है कि तोंगड़ की बसपा सरकार में प्राधिकरण में तूती बोलती थी। प्रदेश में सपा सरकार बनते ही उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। उनका ग्रेटर नोएडा में कौशल्या वर्ल्ड स्कूल, कौशल्या रेंजीडेंसी हॉस्टल, कई मकान व कमर्शियल प्रोजेक्ट समेत दादरी में बैंकट हॉल समेत अन्य कई प्रोजेक्ट हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भी कई ग्रुप हाउसिंग के प्रोजेक्ट हैं। आयकर विभाग प्रोजेक्टों में निवेश की गई धनराशि का भी पता लगा रहा है।

दिल्ली हिंदी अकादमी के उपाध्यक्ष विष्णु खरे का निधन, जीबी पंत अस्पताल में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। हिंदी के प्रख्यात कवि, वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार एवं दिल्ली हिंदी अकादमी के उपाध्यक्ष विष्णु खरे का बुधवार को दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में निधन हो गया। बीते 12 सितंबर को ब्रेन हैम्रेज के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ब्रेन हैम्रेज के समय वे घर में अकेले थे। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें अस्पताल के आईसीयू में रखा गया था। जब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इसकी जानकारी मिली थी तो वह भी उनका हाल-चाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। खरे के निधन की खबर मिलते ही मुंबई से उनके परिजन दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। उनकी मृत्यु पर साहित्य जगत से जुड़े बड़े लोगों ने अपनी संवेदना प्रकट की है।

30 जून को ही संभाला था अपना कार्यभार

ज्ञात हो कि दिल्ली सरकार ने उन्हें इसी साल हिंदी अकादमी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने 30 जून को ही अपना कार्यभार संभाला था। इससे पहले वह मुंबई में रहते थे, लेकिन गत दिनों दिल्ली हिंद अकादमी का उपाध्यक्ष बनने पर वह कुछ दिनों से दिल्ली ही रहने लगे थे। खरे लंबे समय तक एक प्रतिष्ठित समाचार-पत्र से जुड़े रहे और बाद में मुम्बई में रहकर स्वतंत्र लेखन कर रहे थे। वह कवि के अलावा जाने-माने फिल्म समीक्षक, अनुवादक और प्रसिद्ध आलोचक भी रहे और बेबाक लेखन के कारण साहित्य के विवादों में भी घिरे रहे। हिंदी अकादमी की 18 सदस्यीय संचालन समिति के अध्यक्ष खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं।

गुरुग्राम : अब 72 कॉलोनियों में अवैध निर्माण हो सकेंगे वैध

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार से लाइसेंस लेकर विकसित की गई रिहायशी कॉलोनियों में हुए अवैध निर्माण अब वैध होंगे। इसके लिए कब्जा प्रमाण पत्र लेकर आवेदन करना होगा। इसके बाद निर्माण को वैध कर दिया जाएगा। जिले की 72 कॉलोनी इसका लाभ उठा सकेंगी। प्रदेश सरकार की ओर से लाइसेंस लेकर जिले में 72 कॉलोनी विकसित की गई है। इनमें बड़ी संख्या में लोगों ने बिना नक्शा पास कराए निर्माण कर लिया है। ऐसे अवैध निर्माण को सरकार ने वैध करने का फैसला किया है। इसको लेकर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की ओर से छह सितंबर को आदेश जारी किए गए हैं। इसके तहत बिना नक्शा पास कराए निर्माण करने वाले लोग कब्जा प्रमाण पत्र (ओसी) के लिए आवेदन कर सकेंगे। अधिकारियों की ओर से निरीक्षण किए जाने के बाद ओसी देकर वैध कर दिया जाएगा।

अतिरिक्त निर्माण करने वालों को भी लाभ :

विभाग से नक्शा पास कराने के बाद अतिरिक्त निर्माण करने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। ऐसे लोगों को अतिरिक्त निर्माण के चलते अभी तक ओसी नहीं मिल पाया है। अब लोगों को नक्शे की प्रति लगानी होगी। उसमें बताना होगा कि कितना अतिरिक्त निर्माण है। इसके बाद उसे वैध कराकर ओसी प्राप्त की जा सकेगी।

चार मंजिल से ऊपर लागू नहीं :

यदि अवैध निर्माण चार मंजिल से अधिक होगा तो उन्हें इसका लाभ नहीं मिलेगा। नियमों के मुताबिक भूतल के अलावा तीन फ्लोर और स्टिल्ट भूतल के अलावा चार फ्लोर तक मान्य होगा। इससे अधिक मंजिल निर्माण पर उसे अवैध ही माना जाएग।

हजारों परिवारों को मिलेगा लाभ

प्रदेश सरकार की नई योजना का लाभ हजारों परिवारों को मिलेगा। इसमें डीएलएफ जैसी पॉश कॉलोनियों को मकान तक शामिल हैं। जहां पर नक्शे के अलावा बड़ी संख्या में अतिरिक्त निर्माण कर लिया गया। वहीं यहां के लोगों को हर रोज होने वाली तोडफोड़ से भी निजात मिल सकेगी। नक्शा पास कराए बिना किए गए निर्माण को वैध कराया जा सकेगा। मकान मालिक को विभाग में ओसी के लिए आवेदन करना होगा। इसके बाद मकान की जांच कर नियमों के मुताबिक पाए जाने पर ओसी दी जाएगी। -अमित कुमार, एटीपी (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग)

आवेदक के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें

1. आवेदक को इमारत का नक्शा बनाकर जमा करवाना होगा। अवैध निर्माण को चिह्नित करना होगा।

2. नक्शे पर स्वयं और वास्तुकार के हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से करवाने होंगे.

3. प्लॉट में ग्राउंड फ्लोर के रूप में कम से कम आधे हिस्से पर निर्माण होना अनिवार्य होना चाहिए

4. निर्माण को लेकर गलत सूचना देने-सूचना छिपाने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

5. मकान की सभी दिशाओं से लिए गए फोटो भी आवेदन के साथ लगाने होंगे

6. अग्निशमन विभाग ओर ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशियेनसी (बीईएफ) से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा

मैं सफलता की प्रार्थना नहीं करती हूं, मैं विास के लिए कहती हूं -मदर टरेसा

विलय की घोषणा

बैंक ऑफबड़ौदा, देना बैंक और विजया बैंक के विलय की घोषणा कर दी है। विलय का तर्क दिया जा रहा है कि एक कमजोर बैंक को दो अपेक्षाकृत मजबूत बैंक मिलकर संभाल लेंगे। इन बैंकों में सबसे मजबूत स्थिति में विजया बैंक है। बैंक ऑफ बड़ौदा भी बुरी स्थिति में नहीं है। देना बैंक की स्थिति बहुत खराब है। इतनी खराब है कि यह रिजर्व बैंक की नियमित निगरानी में है। इसका शुद्ध डूबत कर्ज अनुपात 11.04 प्रतिशत है यानी इसके द्वारा दिए गए कजरे का करीब 11 प्रतिशत डूबने की स्थिति में है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मामले में यह आंकड़ा 5.40 प्रतिशत विजया बैंक के मामले में 4.10 प्रतिशत का है यानी सबसे कम डुबाऊ स्थिति में विजया बैंक है। पर विजया बैंक अब डूबते बैंक के साथ नत्थी कर दिया है। विजया बैंक का शेयर आज 7.26 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ है नेशनल स्टाक एक्सचेंज पर यानी विजया बैंक पर निवेशकों को आशंकाएं हैं कि यह बैंक भी अब खस्ताहाली में पहुंच सकता है। यह आशंका निराधार भी नहीं है। देना बैंक की खस्ताहाली संभालते संभालते कहीं विजया बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और देना बैंक से बना नया बैंक भी खस्ताहाली में ना गिर जाए। सरकार के लिए तो काम आसान हो जाएगा कि कई बैंकों की खस्ताहाली पर आलोचना सुनने के बजाय एक ही बैंक के डूबने पर आलोचना सहनी पड़ेगी। पर सवाल यह है कि क्या यह विलय उन समस्याओं का समाधान कर पाएगा, जो विजया बैंक को घेरे खड़ी थीं। इस सवाल का जवाब है नहीं। बिल्कुल नहीं। दावे किए जा रहे हैं कि इन बैंकों के विलय से जो नया बैंक बनेगा वह देश का तीसरा बड़ा बैंक होगा। साइज में बड़े होने से ही सब कुछ नहीं होता। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सबसे बड़ा बैंक है, पर क्या वह सबसे कुशल बैंक भी है? इस सवाल का जवाब है नहीं, बिल्कुल नहीं। सरकारी बैंकों की कार्यसंस्कृति में आमूल चूल बदलाव लाने की जरूरत है, और यह भी यहां रेखांकित किया जाना चाहिए कि सरकारी बैंकों को दुहने की संस्कृति भी खत्म होनी चाहिए। रिजर्व बैंक के रघुराम राजन ने इशारा किया है कि मुद्रा कजरे के नाम, किसानों को सस्ते कर्ज के नाम पर जो कर्ज दिए गए हैं, उनमें भी डूबत कर्ज आने की आशंकाएं हैं। अगर साइज के आधार पर बैंकिंग सफलताएं तय होतीं, तो देश का सबसे कामयाब बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया होता।

स्वयंसेवक संघ

स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम के पहले दिन सरसंघचालक मोहन भागवत ने संगठन के बारे में जितना विस्तार से बताया, लगने वाले आरोपों का जिस तरह जवाब दिया, उन सबसे काफी धुंध छंटनी चाहिए। किंतु, ऐसा लगता नहीं कि जो संगठन, नेता, बुद्धिजीवी..संघ का केवल विरोध करने या उस पर आरोप लगाने का ही मानस बनाए हुए हैं, उनके विचार परिवर्तित होंगे। हालांकि संघ की कोशिश यही थी कि हमारे विरोधी भी कार्यक्रम में आएं, हमारी बात सुनें, अपनी बात रखें, हमसे प्रश्न करें। लोकतांत्रिक समाज में परस्पर विरोधी विचारों के बीच भी संवाद चलते रहना चाहिए। दुर्भाग्य से किसी प्रमुख राजनीतिक दल के नेता या घोर विरोधी माने जाने वाले बुद्धिजीवी नहीं पहुंचे। यह कैसा लोकतांत्रिक संस्कार है? भागवत ने कहा कि संघ का हिन्दू समाज को संगठित करने का संकल्प किसी मत का विरोध करना नहीं है। वह मानता है कि भेदरहित, स्वार्थमुक्त समाज ही स्वतंत्रता और स्वतंत्र राष्ट्र के परमवैभव की गारंटी है।

भागवत ने कहा कि भारतीय समाज विविधताओं से भरा है, किसी भी बात में एक जैसी समानता नहीं है, इसलिए विविधताओं से डरने के बजाए उन्हें स्वीकार करना और उनका उत्सव मनाना चाहिए। उन्होंने इस आरोप का भी जवाब दिया कि संघ राजनीतिक सत्ता हथिया कर देश पर अपना वर्चस्व कायम करना चाहता है। संघ का उद्देश्य सफल राष्ट्र के लिए सुयोग्य समाज का निर्माण है। भागवत ने यह भी साफ किया कि संघ मानता है कि समाज को बदले बिना स्थायी परिवर्तन नहीं आ सकता है।

देश के लोगों में देश के प्रति विास पैदा करने की आवश्यकता है, और इसके लिए लोक शक्ति का जागरण करना पड़ेगा। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन, महात्मा गांधी और राष्ट्रीय तिरंगे को लेकर संघ के विषय में प्रचलित भ्रांतियों को भी दूर करने का प्रयास किया।

इस दृष्टि से देखें तो संघ प्रमुख ने अपना पूरा मत देश के सामने स्पष्ट कर दिया है तथा लोगों से निकट आकर संगठन को समझने की अपील भी की है। यह समझ से परे है कि आखिर, संघ की बात सुनने, उस पर विचार करने तथा वहां अपनी बात रखने में किसी को क्या समस्या हो सकती है। बहरहाल, भागवत की बातें मीडिया के माध्यम से बहुत लोगों के पास पहुंचेंगी और वे फैसला करेंगे कि संघ के प्रति कैसा दृष्टिकोण बनाना चाहिए।

संगठनों की जीत के संकेतों

राजस्थान की राजनीतिक गतिविधियों के बीच दलित छात्र की जीत राज्य में बदलते राजनीतिक समीकरणों का संकेत है। राजस्थान के अन्य संस्थानों में भी वामपंथी पार्टियों से जुड़े छात्र संगठनों ने चुनावी जीत हासिल की है। सत्ताधारी भाजपा-आरएसएस विचारधारा के छात्र संगठन और समूहों ने भी दिल्ली विविद्यालय में जीत हासिल की है, और यह विविद्यालय हमेशा से संघ का गढ़ माना जाता रहा है। छात्र राजनीति में हाल के वर्षो में जो हलचल दिखाई दे रही है, उससे भविष्य की राजनीतिक तस्वीर का अंदाजा लगाया जा सकता है। लेकिन इन तमाम विविद्यालयों में जेएनयू अलग अहमियत रखता है। कहा जा सकता है कि इसे एक प्रतीक के रूप में रचने की कोशिश की गई है।

सतीश पेडणोकर

छात्र संघ चुनाव में वामपंथ से जुड़े छात्र संगठनों की जीत के संकेतों को समझने की जरूरत है। हाल के दिनों में देश के विभिन्न राज्यों में स्थित विविद्यालयों के छात्र संघों के चुनाव हुए हैं, और उनमें गैर आरएसएस पार्टियों से जुड़े और उसके विरोधी छात्र नेतृत्व को जीत मिली है। बल्कि कहा जाए कि इस संदर्भ में ऐतिहासिक घटनाएं सामने आई हैं। पंजाब विविद्यालय देश के सबसे पुराने विविद्यालयों में शुमार है, और वहां पहली बार एक लड़की ने जीत हासिल की है। राजस्थान विविद्यालय में पहली बार एक दलित छात्र बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीता है। राजस्थान की राजनीतिक गतिविधियों के बीच दलित छात्र की जीत राज्य में बदलते राजनीतिक समीकरणों का संकेत है। राजस्थान के अन्य संस्थानों में भी वामपंथी पार्टियों से जुड़े छात्र संगठनों ने चुनावी जीत हासिल की है।

सत्ताधारी भाजपा-आरएसएस विचारधारा के छात्र संगठन और समूहों ने भी दिल्ली विविद्यालय में जीत हासिल की है, और यह विविद्यालय हमेशा से संघ का गढ़ माना जाता रहा है। छात्र राजनीति में हाल के वर्षो में जो हलचल दिखाई दे रही है, उससे भविष्य की राजनीतिक तस्वीर का अंदाजा लगाया जा सकता है। लेकिन इन तमाम विविद्यालयों में जेएनयू अलग अहमियत रखता है। कहा जा सकता है कि इसे एक प्रतीक के रूप में रचने की कोशिश की गई है, और इसके बहाने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए उपयुक्त विमर्श खड़ा करने में सहुलियत महसूस की जाती है। जेएनयू को एक विचारधारा के प्रतीक के रूप में खड़ा किया गया और यह ऐसा संस्थान है जिसकी छवि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पूरे आडंबर को बाधित करने वाले विचारों की धुरी के रूप में विकसित होती दिखती है। छात्र संघ के चुनाव नतीजों पर बात करने के लिए जेएनयू के सत्ताधारी विचारधारा के लिए महत्त्व को इस उदाहरण से भी समझा जा सकता है।

गुजरात में 2002 के मुस्लिम विरोधी हमले की घटनाओं को रोकने के सिलसिले में आईपीएस अधिकारी आरबी श्रीकुमार का तब के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के रवैये को लेकर मतभेद रहा है। उन्होंने 2002 के दौरान की तमाम घटनाओं और मुख्यमंत्री के साथ पुलिस अधिकारियों की बैठकों और निर्देशों का अपनी पुस्तक ''गुजरात बिहाइंड करटेन' में उल्लेख किया है। इसी कड़ी में 25 जून, 2002 को राज्य के वरिष्ठ पुलिस कर्मियों के साथ मुख्यमंत्री की एक बैठक के बारे में भी जानकारी दी है।

श्रीकुमार ने अपनी पुस्तक के पृष्ठ संख्या 127 पर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में नरेन्द्र मोदी द्वारा जेएनयू पर की गई एक टिप्पणी का उल्लेख किया है। जब पुलिस अधिकारी राज्य सरकार के बतौर मुखिया नरेन्द्र मोदी के विचारों से अपना अंतर्विरोध जाहिर कर रहे थे तब मोदी ने उन्हें कहा कि अधिकारियों को जेएनयू के ब्रांड वाली धर्मनिरपेक्षता से प्रभावित होने की जरूरत नहीं है। श्रीकुमार और दूसरे पुलिस अधिकारी कानून एवं व्यवस्था के नियंतण्रके लिए मौजूद प्रावधानों को लागू करना चाहते थे न कि धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा में बंटकर अपनी कार्रवाइयों को सुनिश्चित करना चाहते थे। लेकिन मुख्यमंत्री मोदी धर्मनिरपेक्षता की उस परिभाषा से अपने को अलग कर रहे थे जो पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान बताई गई थी। जेएनयू में बौद्धिकता स्तर पर धर्मनिरपेक्षता को परिभाषित किया जाता रहा है, और वह हिन्दुत्ववादी विचारधारा के बिल्कुल विपरीत मानी जाती है। जेएनयू में छात्र संघ के चुनाव के नतीजों का विश्लेषण इसी पृष्ठभूमि में किया जाना चाहिए। यह एक ऐसा संस्थान रहा है, जो अपनी स्थापना के समय से ही वैचारिक बहसों का केंद्र रहा है, और उसमें स्वतंत्रता संग्राम और उसकी दिशा ही उन बहसों की मुख्यधारा रही है। लेकिन जेएनयू को 2014 के बाद उस तरह के प्रतीकों की तरह प्रचारित किया गया है, जो सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की वैचारिकी की आसान लड़ाई के केंद्र हो सकते हैं। जेएनयू में यह स्थिति है कि वहां एक तरफ पूरी सत्ता है, और दूसरी तरफछात्र-छात्राओं और शिक्षक-कर्मचारियों के सामने अपनी विरासत को बचाने की चुनौती पेश होती रही है। 2018 के छात्र संघ चुनाव में वामपंथी पार्टियों के छात्र संगठनों ने एक मोर्चा बनाकर चुनाव में हिस्सा लिया और उन्हें चुनावी कामयाबी मिली है। वामपंथी संगठनों को हाल के दौर में जिस भी स्तर पर वैचारिक चुनौतियां मिली हैं, उन सबकी प्रवृत्तियां छात्र संघ के इस चुनाव में दिखाई देती हैं। वामपंथी पार्टियों के समक्ष जाति के प्रश्न को लेकर एक बड़ी चुनौती पिछड़े वगरे के लिए मंडल आयोग की अनुशंसाओं को लागू करने के फैसले के बाद खास तौर से मिली और पिछड़े वगरे के भीतर जातियों की प्रतिद्वंद्विता ने इस चुनौती को और भी जटिल बनाया है। विविद्यालय में उन तमाम रुझानों का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र समूह और संगठन हैं, जो संसदीय राजनीति में सत्ता की प्रतिस्पर्धा में लगे हुएहैं। पिछले तीन चुनावों से खास तौर से वामपंथी संगठनों के बीच मोर्चाबद्ध होने का एक दबाव महसूस किया गया है। दिल्ली विविद्यालय में यह नहीं हुआ क्योंकि वहां उन्हें अपनी विरासत बचाने की चुनौती नहीं उत्पन्न हुई है। वहां उन संगठनों के बीच अपने राजनीतिक विस्तार को लेकर प्रतिस्पर्धा की ही स्थिति समझी जाती है।जेएनयू में सत्ताधारी विचारधारा से जुड़े छात्र संगठन के सामने यह चुनौती रही है कि वह एक शिक्षण संस्थान में उसकी भाषा और तौरतरीकों के आधार पर अपना विस्तार करने के कार्यक्रम बनाए लेकिन उनका राजनीतिक प्रशिक्षण इसमें बड़ी बाधा के रूप में आ खड़ा होता है। विविद्यालय में उन छात्रों को भावनात्मक नारों के साथ आकर्षित करने में सफलता मिल सकती है, जो खास तरह की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि की सीमाओं के साथ प्रवेश करते है, लेकिन उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक विमशरे में परिपक्व होते छात्र-छात्राओं के बीच अपनी स्वीकृति बनाना ही छात्र संगठनों की उपलब्धि के तौर पर माना जाता है। सत्ता मशीनरी का इस्तेमाल और दुरुपयोग छात्रों में प्रतिक्रिया ही व्यक्त करता है।

विविद्यालय को अपनी वैचारिकी ताकत से बदलने में अक्षमता उन हालात को विकसित करने की तरफले जाती है, जेएनयू पहुंच रहा है। वामपंथी छात्र संगठनों की जीत अगले आम चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ एक मोर्चा बनाने के लिए दबाव से भरा संदेश है। देश भर में सत्तारूढ़ दलों के छात्र संगठनों के खिलाफ शिक्षण संस्थानों में जिस तरह से मत प्रगट किए जा रहे हैं, उन्हें संसदीय लोकतंत्र में परिवर्तन की आहट के रूप में चिह्नित किया जा सकता है।

चलते चलते

हिंदी टीवी चैनल

बहुत अच्छा था चचा! कल उनका एक सौ बारहवां जन्मदिन भी था और प्रयाण दिन भी। लगभग सभी हिंदी टीवी चैनल कल उनको याद करती रहीं। जगह-जगह उनकी स्मृति में गोष्ठियां हुई। हाथरस में उनके स्मारक पर हाथरस वासियों ने उनकी कविताओं का पाठ किया। हमने भी जयजयवंती फाउंडेशन में ''हास्य-महर्षि काका हाथरसी' पर संगोष्ठी आयोजित करी। -तौ का कियौ? -अरे, काका जी की कविताएं सुनाई गई, संस्मरण सुनाए गए, ठहाके लगे। मुझे उनकी कुछ शोधपूर्ण लम्बी कविताएं बड़ी पसंद हैं। इन दिनों हिंदी पखवाड़ा भी चल रहा है। उनकी ''नाम बड़े और दर्शन छोटे' कविता सुनाई, आज भी प्रासंगिक है। -तौ सुनाय दे नैक-आध। -उस कविता में छ:-छ: पंक्तियों के सोलह छंद हैं। चलिए, आपको

हाथरस में उनके स्मारक पर हाथरस वासियों ने उनकी कविताओं का पाठ किया। हमने भी जयजयवंती फाउंडेशन में ''हास्य-महर्षि काका हाथरसी' पर संगोष्ठी आयोजित करी। -तौ का कियौ? -अरे, काका जी की कविताएं सुनाई गई, संस्मरण सुनाए गए, ठहाके लगे। मुझे उनकी कुछ शोधपूर्ण लम्बी कविताएं बड़ी पसंद हैं।

उसके दो-तीन चरण ही सुनाता हूं- ''प्रगति राष्ट्रभाषा करे, यह विचार है नेक, लेकिन आई सामने विकट समस्या एक। विकट समस्या एक, कार्य हिंदी में करते, किंतु शॉर्ट में हस्ताक्षर करने से डरते। बोले ''काशी नाथ', जरा हमको बतलाना, दोनों आंखें होते हुए लिखूं मैं ''काना'?'' इस तरह के कितने ही नाम काका जी ने एकत्र कर लिए जिनको संक्षिप्त करें तो अर्थ का अनर्थ हो जाए। एक और छंद देखिए, ''''इस संक्षिप्तीकरण से हों व्यक्तिव खराब, ''शक्ति राम बर्मन' स्वयं कैसे लिखें ''शराब'। कैसे लिखें शराब, दया हमको आएगी, ''हरीवंश त्यागी' की ''हत्या' हो जाएगी। बदल जाएं उपनाम, होयं मानी-बेमानी, कहलाएं ''गोपालदास नीरज' ''गोदानी'।'' चचा, गोदानी तक तो गनीमत है, ईर दत्त ''ईद' कहलाएं ये भी चलेगा, लेकिन लीला दत्त तो ''लीद' हो जाएंगे। तेजपाल लीडर ''तेली', होती लाल ''होला', छोटे लाल ''छोला', कहलाएंगे। लगभग पचास साठ नाम हैं कविता में। एक लंबा नाम है, नारायण लाल यतींद्र कथक्कड़, इसका संक्षिप्त होगा ''नालायक'। अंत में काका कहते हैं, ''जानबूझकर स्वयं ही क्यों होते बदनाम? उतना दुखदायी बने जितना लम्बा नाम। जितना लम्बा नाम, रखो छोटे-से-छोटा, दो क्षअर से अधिक नाम होता है खोटा। सूक्ष्म नाम पर कभी नहीं पड़ सकता डाका, उल्टो-पल्टो, शॉर्ट करो, फिर भी हैं ''काका।' -मान गए लल्ला! अमर रहें काका!

''फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स

जिस दूध का सेवन कर रहे हैं, क्या पीने योग्य है? संभवत: नहीं। विश्व स्वास्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल में भारत सरकार को एक एडवाइजरी भेजी है। इसमें कहा गया है कि भारत में मिलावटी दूध और उसके उत्पादों पर तत्काल रोक न लगाई गई तो साल 2025 तक भारत की 87 फीसद जनसंख्या कैंसर जैसे जानलेवा रोगों की गिरफ्त में होगी। सरकार ने लोक सभा में 17 मार्च, 2015 को माना था कि देश में बिकने वाला 68 फीसद दूध दूषित ही होता है। दूध में मिलावट की बाबत एक सर्वे से पता चला है कि उत्तर भारत के राज्यों में मिलावटी दूध देश के बाकी भागों या राज्यों की तुलना में अधिक बिक रहा है। जहरीला दूध आंख से लेकर आंत तक, दिल से लेकर प्रजनन क्षमता तक, सब पर असर डालता है। इनसान टाइफाइड, पीलिया, अल्सर, डायरिया जैसी बीमारियों की चपेट में भी आ सकता है। उच्चतम न्यालाय ने दूध में मिलावट को रोकने के लिए साल 2015 में एक अहम फैसला सुनाया था। माना था कि देश में मिलावटी दूध बिक रहा है, और कानून में कड़े प्रावधान करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने निर्देश दिए थे कि केंद्र और राज्य सरकारें ''फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006' को सख्ती से लागू करें। इस निर्देश का किस हद तक पालन हुआ? नहीं हुआ तो क्यों नहीं हुआ? कौन जवाब देगा इसका? यहां पर यह भी समझना आवश्यक होगा कि दूध उत्पादन को बढ़ाने का लाभ ही क्या है, अगर हम मिलावटी दूध का कारोबार न रोक पाएं। यह तो हुई 68त्न मिलावटी दूध की बात। अब जरा, बाकी के 32% की भी बात कर लें। इनमें भी अधिकांश दूध जर्सी, होलिस्टियन, फ्रीजियन आदि दोगली किस्म की गायों का है, जो वास्तव में गाय हैं ही नहीं। इन पर प्रकाशित शोध पत्रों के मुताबिक, इन गायों (या पशुओं का) के दूध, जिसे ''ए-1' की संज्ञा दी जाती है, में ''बीटा मारफीन' नाम का जहर है जो डाइबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, मानसिक रोग और गर्भस्थ शिशुओं में होने वाली मानसिक या शारीरिक विकलांगता, जिसे ''ऑटिज्म' कहा जाता है, जैसी पांच बड़ी बीमारियों का मुख्य कारण है। आधुनिकतम रिसर्च यह है कि विश्व भर में भारत, पाकिस्तान, म्यांमार, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश में पाई जाने वाली देसी गाय का दूध ही, जिसे ''ए-2' नस्ल की गाय की संज्ञा अंग्रेजों ने दे रखी है, मां के दूध के समान है। ''ए-2' नस्ल की गाय की सामान्य पहचान ''कंधे पर उभार या पुट्ठा' और गले के नीचे का झालर है। दुर्भाग्यवश ऐसी अधिकांश गायें अब तो ज्यादातर ब्राजील, कनाडा, अमेरिका, स्विटजरलैंड, स्वीडन, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को हमने निर्यात कर दी हैं, और विदेशों से ज्यादा दूध के नाम पर दोगली गायों को ले आए हैं, जिनके दूध में ''बीटा मारफीन' होता है यानी अब विदेशी हमारी ''गौ माता' का दूध पी रहे हैं, और हम जहर पीने को मजबूर हैं। बता दें कि भैसों का दूध भी ''ए-2' होता है यानी वह पानी मिलाकर पतला करके पीने लायक तो है, लेकिन, सुपाच्य नहीं है क्योंकि ''ए-2' यानी देसी गायों के दूध का ''मेल्टिंग तापमान' 37 डिग्री सेल्सियस होता है, जबकि मनुष्य के शरीर का तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस होता है, जिससे ''ए-2' गाय का दूध अमाशय में जाते ही पच जाता है, जबकि भैस के दूध का मेल्टिंग तापमान 40 डिग्री सेल्सियस होता है। अत: भरपूर शारीरिक परिश्रम न किया जाए तो इसे पचाने में परेशानी होती है, जिससे उसकी चर्बी धमनियों में जमा हो जाती है और हृदय रोग का कारण बन जाती है। कहना है कि दूषित दूध की बिक्री पर रोक लगाए बिना बात नहीं बनेगी। सांकेतिक कदम उठाने का वक्त निकल चुका है। तय कर लीजिए कि देश को स्वस्थ देखना चाहते हैं, या बीमार।

सत्संग

''धरती मां'

पृथ्वी को ''धरती मां' कहते हैं। क्या इसका मतलब है कि धरती पर सारा अपराध रुक जाएगा? नहीं। अलग-अलग तरह के अपराध होते हैं। स्त्रियों पर यौन हमले बहुत आम हैं। इसके कई पहलू हैं। हम गुस्से में आकर बोल सकते हैं, ''ठीक है, उन्हें फांसी दे दो।' अगर आप बलात्कार की सजा के तौर पर फांसी को लाएंगे तो आपको समझना चाहिए कि बलात्कार के मामले में एकमात्र गवाह लगभग हमेशा पीड़िता होती है। अगर आप एक बलात्कारी को इस बात की गारंटी दें कि बलात्कार करके पकड़े जाने पर तुम्हें फांसी लगनी तय है, तो आपके ख्याल से वह क्या करेगा? वह उस एकमात्र गवाह को रास्ते से हटा देगा। तो कुछ कहने से पहले हमें सतर्क रहना चाहिए कि हम क्या कह रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हम उनका समर्थन कर रहे हैं। सवाल बस यह है कि आपको समाधान चाहिए या कंगारू कोर्ट : ''हर किसी को फांसी पर लटका दो।' हमें देखना चाहिए कि यह हो क्यों रहा है। पहली चीज यह है कि एक संस्कृति के रूप में भारत के लिए यह पहली पीढ़ी है, जिसमें स्त्रियां वास्तव में सड़क पर निकल रही हैं, पुरु षों के साथ चल रही हैं, और उनके करीब रह कर काम कर रही हैं। लोगों को इसकी आदत नहीं है। साथ ही लाखों युवा गांवों से शहरों में आ रहे हैं। उनके गांव में उनके लिए स्त्री का मतलब उनकी मां, उनकी मौसी, अत्ते या पाटी (बुआ या दादी) होती थी। अब वे शहर आकर युवा लड़िकयों को सड़क पर चलते देखते हैं। यह उनके लिए बहुत नया है। हमें ऐसा नहीं करना चाहिए कि चीजों को अनदेखा कर दें और ऐसा दिखाएं मानो, हम कहीं से टपके हैं। इंसानों में सेक्सुअलिटी या यौनिकता होती है। पंद्रह से पच्चीस की उम्र के बीच हार्मोन का असर अधिकतम होता है। अगर आपको व्यस्त रखने के लिए कुछ नहीं है, सिर्फआपके हारमोन आपके भीतर उछल रहे हैं तो सामाजिक स्तर पर इसका हल खोजना होगा। जब कोई अपराध करता है, तो उसे सजा मिलनी चाहिए, यह अलग मामला है। मगर सामाजिक तौर पर इसका क्या हल है?

फोटोग्राफी...

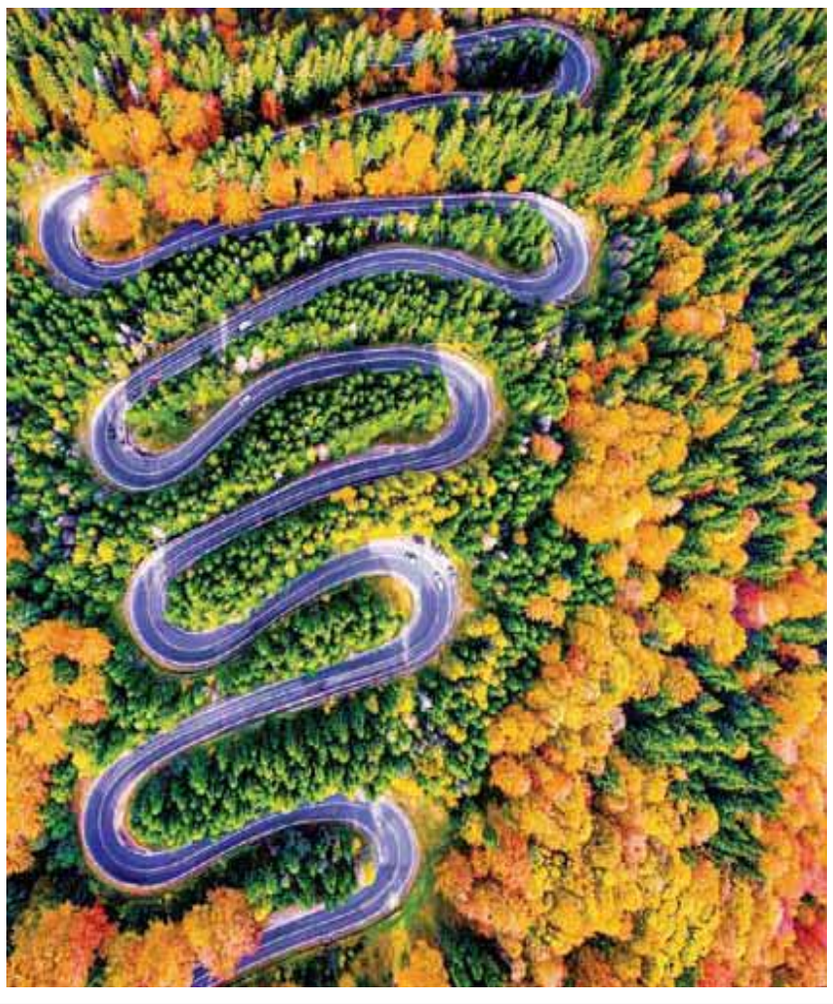

रोमानिया की ट्रान्सिल्वेनिया घाटी, जो हर मौसम में अलग-अलग रंग बदलती है

यह फोटो रोमानिया की मशहूर ट्रानसिल्वेनिया घाटी की फोटो है, जिसे वहीं के एरियल फोटोग्राफर कालिन स्टैन ने क्लिक किया है। उन्होंने बताया कि इसी क्षेत्र की मैंने लैंडस्केप फोटोग्राफी की थी, लेकिन इस दृश्य के लिए पतझड़ आने का इंतजार किया। कुछ दिनों पहले कालिन वहां पहुंचे और उन्होंने विभिन्न रंगों वाली घाटी का यह फोटो क्लिक किया। ऐसा इसलिए क्योंकि पतझड़ में यहां के पेड़ों का रंग बदलने लगता है। इस घाटी को काउंट ड्राकुला भी कहा जाता है। कालिन कहते हैं, रोमानिया में बहुत ज्यादा हाईवे नहीं हैं। नया हाईवे बनने के बाद लोग इस हाईवे को भी भूल जाएंगे, लेकिन मैं यहां के दृश्यों को यादगार बनाना चाहता हूं। उन्होंने इसी वादी के चार मौसम में अलग-अलग फोटोग्राफ क्लिक करके उन्हें ''इन्फाइनाइट रोड टू ट्रानसिल्वेनिया' में शामिल किया है। हर मौसम में यहां का रंग अलग होता है, सर्दियों में बर्फबारी के कारण सफेद तो बारिश के दिनों में पूरी तरह हरा।

dronestagr.am

सार समाचार

मलेशिया: 44 साल के अधेड़ ने किशोरी से रचाई शादी, बाल विवाह पर पाबंदी की उठी मांग

एजेंसी, कुआलालम्पुर। मलेशिया के ग्रामीण इलाके में बाल वधु का एक और मामला सामने आने के साथ मलेशिया की सरकार पर बाल विवाह को गैरकानूनी घोषित करने का दबाव नए सिरे से बनने लगा है। कुछ हफ्तों में यह इस तरह का दूसरा मामला है। न्यू स्ट्रेट टाइम्स अखबार की खबर के मुताबिक उत्तरपूर्वी केलांतन राज्य में 44 वर्षीय मुस्लिम व्यक्ति ने 15 वर्षीय किशोरी को अपनी दूसरी पत्नी बनाया। इसमें कहा गया कि इस विवाह को जुलाई में इस्लामी शरिया अदालत ने मंजूरी दी। लड़की के गरीब माता-पिता इस विवाह के लिए राजी हुए थे। इससे पहले, इसी महीने में एक कारोबारी ने 11 वर्षीय लड़की को अपनी तीसरी पत्नी बनाया था। मलेशिया में विवाह करने की न्यूनतम कानूनी उम्र 16 वर्ष है। इससे कम उम्र की मुस्लिम लड़कियां शरिया अदालत और अपने माता-पिता की मंजूरी से शादी कर सकती हैं। मुस्लिम पुरूष चार पत्नियां रख सकता है। इन मामलों से अधिकार समूहों की नाराजगी बढ़ गई। यूनिसेफ ने एक वक्तव्य में हाल में हुए बाल विवाह को अस्वीकार्य बताया और मलेशिया से अनुरोध किया कि वह इस प्रथा पर पाबंदी के लिए कानूनी उपाय करे। मलेशिया के मानवाधिकार आयोग ने कहा कि उसे इस बात की चिंता है कि अब अभिभावक विवाह के नाम पर अपने बच्चों को बेचने के लिए कानून की आड़ ले सकते हैं।

भारत ने रोहिंग्याओं के लिए राहत सामग्री भेजी

ढाका। बांग्लादेश में शरणार्थी शिविरों में रह रहे रोहिंग्या मुसलमान शरणार्थियों के लिए भारत ने सोमवार को 11 लाख लीटर केरोसिन तेल और 20,000 स्टोव समेत अन्य राहत सामग्री दी। म्यांमार में पिछले साल सैन्य कार्रवाई के चलते काफी तादाद में रोहिंग्या मुसलमान बांग्लादेश पलायन कर गए थे। शरणार्थियों की मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए शेख हसीना सरकार को दी गयी यह तीसरे चरण की सहायता है। इस बीच, बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से शरणार्थी संकट में हस्तक्षेप करने और इस मुद्दे का समाधान करने के लिए म्यांमार पर दबाव डालने का आह्वान किया है। गौरतलब है कि पिछले साल अगस्त से 7,00,000 रोहिंग्या मुसलमान म्यांमार के रखाइन प्रांत से भाग कर बांग्लादेश आ गए। अगस्त में ही म्यांमार में सेना ने रोहिंग्या मुसलमानों के कथित आतंकी संगठनों के विरुद्ध अभियान चलाया था। ढाका में भारत के उच्चायुक्त हर्षवर्धन श्रृंगला ने बांग्लादेश के आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्री मुफज्जिल हुसैन चौधरी को कोक्स बाजार में 11 लाख लीटर केरोसिन तेल और 20,000 केरोसिन मल्टी विक स्टोव सौंपे। भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा, बांग्लादेश ने जो सहायता मांगी थी यह उसी के अनुसार है।

अमेरिका के एक शीर्ष समूह में जयशंकर

वाशिंगटन। अमेरिका-भारत संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व विदेश सचिव एस जयशंकर अमेरिका के एक शीर्ष एडवोकेसी ग्रुप के बोर्ड में शामिल हुए हैं। जयशंकर वर्तमान में टाटा समूह के ग्लोबल कॉरपोरेट मामलों के अध्यक्ष हैं। यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक ऐंड पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) समूह ने सोमवार को जयशंकर के बोर्ड में हिस्सा बनने की घोषणा की। जयशंकर ने कहा, भारत और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण संबंध बनाने के लिए मैं यूएसआईएसपीएफ के निदेशक मंडल के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

दक्षिण चीन के गुआंगदोंग प्रांत के बाढ़ ग्रस्त गांव पिंग्शी के एक खेल के मैदान में को बॉस्केट बॉल के पोल तक पानी भर आया।

ब्रिटेन: भारतवंशी परिवार के घर में लगाई आग, बाल-बाल बचे परिवार के सदस्य

एजेंसी, लंदन। ब्रिटेन में भारतीय मूल के एक परिवार के घर में किसी ने आग लगा दी। हालांकि अचानक किए गए इस हमले में परिवार के चारों सदस्य बाल-बाल बचे। पुलिस इस वारदात को घृणा अपराध मानते हुए जांच कर रही है। मयूर कार्लेकर के दक्षिण पूर्वी लंदन के बोर्कवुड पार्क इलाके में स्थित घर में शनिवार रात किसी ने उस समय आग लगा दी, जब वह अपनी पत्नी रितु और अपने दोनों बच्चों के साथ गहरी नींद में सोए थे। पड़ोसियों ने घर के बाहर भयानक आग देखने के बाद कार्लेकर और उनके परिवार को जगाया और दमकल को सूचित किया। मेट्रोपोलिटन पुलिस के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा, मेट्रोपोलिटन पुलिस इस वारदात को घृणा अपराध मानते हुए जांच कर रही है। यह आगजनी और आपराधिक क्षति पहुंचाने का मामला है। इस मामले में फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इलाके की सीसीटीवी फुटेज में चार से पांच युवक कार्लेकर परिवार के घर के बाहर बाड़े में आग लगाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। कार्लेकर ने कहा, हम सभी सोए हुए थे। हम किस्मत वाले हैं कि पड़ोसियों ने हमें समय पर जगाया। हमें खुशी है कि आग समय पर बुझा दी गई। लेकिन इस वारदात के कारण हमारे घर, समाज और पास-पड़ोस को अप्रत्याशित नुकसान पहुंचाया गया है। हमने किसी को भी कोई तकलीफ नहीं दी है। हमने हमेशा दूसरों की मदद की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की कि वे इस आगजनी के संदिग्धों को न्याय के कठघरे तक पहुंचाने के लिए यथासंभव सूचनाएं साझा करें। ब्रिटिश पुलिस इस वारदात को घृणा अपराध मानकर जांच कर रही है। अपराध की घटनाओं में इजाफा देखा गया है। 2016-17 में ऐसे 80,593 अपराध दर्ज किए गए थे।

अमेरिकी सर्जन और उसकी प्रेमिका पर लगा मरीजों से दुष्कर्म का आरोप

एजेंसी, लॉस एंजिलिस। कैलिफोर्निया के एक आर्थोपेडिक सर्जन और उसकी मित्र पर दो महिलाओं को नशीला पदार्थ देने तथा उनका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। अभियोजकों को आशंका है कि इस मामले में पीड़ितों की संख्या सैकड़ों में हो सकती है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जांच के दौरान हमने संवाददाता सम्मेलन कर इस मामले में अन्य महिलाओं से आगे आने का अनुरोध किया था। उसके कुछ ही घंटे बाद हमारे पास दर्जनों फोन आए। ऑरेंज काउंटी प्रोसिक्यूटर की प्रवक्ता मिशेल वान देर लिंडेन ने कहा, जांचकर्ताओं ने मुझे बताया कि मंगलवार दोपहर उन्हें लगातार फोन आए। लोग फोन करके अतिरिक्त जानकारी दे रहे हैं। ऐसे में सभी अतिरिक्त सूचनाओं का विश्लेषण और जांच करने में और वक्त लगेगा।

25 अक्तूबर को अदालत में आरोप तय होंगे

पुलिस ने कथित दुष्कर्म के दो मामलों में 11 सितंबर को सर्जन ग्रांट विलियम रॉबीचेक्स (38) और उसकी प्रेमिका सेरिसा लौरा रायली (31) के खिलाफ दुष्कर्म, मादक पदार्थ और हथियारों से जुड़े मामलों में आरोप तय किए थे। ब्रावो टेलीविजन के रियलिटी शो ऑनलाइन डेटिंग रिजुअल्स ऑफ द अमेरिकन मेल में हिस्सा लेने वाले सर्जन और उसके प्रेमिका के खिलाफ 25 अक्तूबर को अदालत में आरोप तय होने हैं।

सर्जन के फोन से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडिया मिले

लिंडेन ने बताया कि रॉबीचेक्स की गिरफ्तारी के बाद जांचकर्ताओं को उसके फोन में सैकड़ों की संख्या में वीडियो मिले हैं, जिनमें कई में लोग बिना कपड़ों के हैं, कई बेहोश हैं और उनका यौन शोषण किया जा रहा है।

रेस्तरां और बार में शिकार तलाशते थे

ऑरेंज काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी टोनी राकॉकस ने संवाददाताओं को बताया कि रॉबीचेक्स और रायली ने साथ मिलकर रेस्तरां और बार में अपने शिकार की पहचान करते थे, उन्हें विश्वास में लेते थे और फिर अपराध करते थे।

वैज्ञानिकों ने तरीका ईजाद किया

सोशल मीडिया पर अब आतंकियों की पहचान संभव

वाशिंगटन, एजेंसी। वैज्ञानिकों ने सोशल मीडिया पर आईएस जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े चरमपंथियों की पहचान का तरीका ढूंढ़ निकालने का दावा किया है जिससे अपने सोशल मीडिया खातों पर आपत्तिजनक चीजें लिखने, बोलने या साझा करने से पहले ही उनकी पहचान मुमकिन हो सकेगी।सोशल मीडिया उपभोक्ताओं को परेशान करने, नए सदस्यों की भर्ती करने और हिंसा भड़काने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ऑनलाइन चरमपंथी समूहों की संख्या और उनका आकार बढ़ रहा है। प्रमुख सोशल मीडिया साइट इस प्रवृति से मुकाबला करने की दिशा में काम कर रही हैं। वह इन खातों की पहचान के लिए उपयोक्ताओं की ओर से किसी पोस्ट को ''रिपोर्ट' करने पर बहुत हद तक निर्भर रहती हैं। साल 2016 में ट्विटर ने बताया था कि उसने आईएस से जुड़े 3,60,000 खातों को बंद किया है।

आपत्तिजनक पोस्ट लिखने, बोलने या साझा करने से पहले ही हो जाएगी पहचान

एक बार कोई खाता इस्तेमाल से रोक दिए जाने के बाद उस उपयोक्ता द्वारा कोई नया खाता खोलने या बहुत सारे खाते संचालित करने की गुंजाइश कम रहती है। मैसेच्यूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के तौहीद जमां ने कहा, सोशल मीडिया चरमपंथी संगठनों के लिए ताकतवर मंच बन गया है, चाहे यह आईएस हो या`त राष्ट्रवादी ''ऑल्ट-राइट' ग्रुप हो। जमां ने कहा, यह समूह नफरत से भरे दुष्प्रचार फैलाने, हिंसा भड़काने और आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए सोशल नेटवकरें का इस्तेमाल करते हैं, जिससे यह आम लोगों के लिए खतरा बन गया है। शोधकर्ताओं ने करीब 5,000 ऐसे ''सीड' उपयोक्ताओं से ट्विटर के आंकड़े इकट्ठा किए, जिनसे आईएस के सदस्य परिचित थे या जो आईएस के कई ज्ञात सदस्यों से मित्र या फॉलोवर के तौर पर जुड़े थे। उन्होंने खबरों, ब्लॉग, कानून का पालन कराने वाली एजेंसियों की ओर से जारी की गई रिपोटरें और थिंक टैंक के जरिए उनके नाम हासिल किए। इन उपयोक्ताओं की टाइमलाइन से 48 लाख ट्वीटों के विषय-वस्तु की समीक्षा करने के अतिरिक्त उन्होंने खातों के निलंबन का भी पता लगाया। विषयवस्तु में जिसमें टेक्स्ट, लिंक, हैशटैग और मेंशन शामिल थे। उन्होंने उनके मित्रों और फॉलावरों के खातों के निलंबन का भी पता लगाया। शोधकर्ताओं ने आईएस और अल-कायदा से हमदर्दी रखने वालों और ज्ञात विदेशी लड़ाकों के खातों और उनकी ओर से ट्विटर पर डाली गई ऐसी सामग्रियों पर ज्यादा ध्यान दिया जिन्हें ट्विटर ने आतंकी प्रकृति का करार दिया था।

महिलाओं से नौकरी के विज्ञापन छिपाने पर फेसबुक पर मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नागरिक अधिकार संघ (एसीएलयू) ने नौकरी की तलाश में जुटीं तीन महिलाओं की तरफ से फेसबुक पर मुकदमा दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया दिग्गज ने भर्तियों के विज्ञापन दिए थे, जो केवल पुरुषों को ही दिख रहे थे। एसीएलयू ने कम्यूनिकेशंस वर्कस ऑफ अमेरिका तथा इम्प्लायमेंट लॉ फर्म, ओट्टेन एंड गोल्डमैन एलएलपी के साथ मिलकर मंगलवार को अमेरिका समान रोजगार अवसर आयोग के समक्ष फेसबुक के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उन महिलाओं ने फेसबुक पर आरोप लगाया था कि ये विज्ञापन केवल युवकों को दिखाए जा रहे थे, महिलाओं के साथ ही बड़ी उम्र के पुरुषों को भी ये विज्ञापन नहीं दिख रहे थे। एसीएलयू में महिला अधिकार परियोजना से जुड़ीं गालेन शेरविन ने एक ब्लॉग पोस्ट में लिखा नौकरी तलाश रहीं तीन महिलाओं और कम्यूनिकेशंस वर्कस ऑफ अमेरिका की तरफ से यह मुकदमा दायर किया गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि नौकरी के इस विज्ञापन ने संघीय नागरिक अधिकार कानून का उल्लंघन किया, जिसमें लिंग और उम्र के आधार पर नौकरियों में भेदभाव करने की मनाही है।

मून, किम ने पहले दौर की वार्ता की कोरियाई शिखर वार्ता

प्योंगयांग में मंगलवार को उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन (दाएं) के साथ दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन।

प्योंगयांग, एजेंसी। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून-जे-इन और उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन ने मंगलवार को यहां एक ऐतिहासिक शिखर बैठक में पहले दौर की वार्ता की, जिसका मुख्य मकसद कोरियाई प्रायद्वीप को परमाणु मुक्त करने को लेकर अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच फिर से संवाद शुरू करना है।

दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, मून तीन दिवसीय दौरे पर मंगलवार को प्योंगयांग पहुंचे। उत्तर कोरियाई राजधानी का दौरा करने वाले इतिहास में वह तीसरे दक्षिण कोरियाई नेता हैं।

मून-किम के बीच तीसरी बैठक ''सेंट्रल कमेटी ऑफ द वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया पार्टी' के मुख्यालय में हुई। मई 2017 में मून के पद संभालने के बाद से मून व किम की यह तीसरी मुलाकात है। दोनों इससे पहले इस साल 27 अप्रैल और 26 मई को भी सीमावर्ती गांव पनमुनजोम में मिल चुके हैं।

एजेंडा में दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव कम करना और द्विपक्षीय संबंधों में सुधार लाना भी है, जिसके बारे में मून ने कहा कि इससे उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण प्रक्रिया को मदद मिलेगी। मून और किम बुधवार को दूसरे दौर की वार्ता के लिए मिलेंगे।

मलेशिया में जहरीली शराब पीने से एक भारतीय समेत 15 की मौत, कई की हालत नाजुक

कुआलालंपुर, एजेंसी। मलेशिया में जहरीली शराब और केन बीयर पीने से एक भारतीय समेत 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में अधिकतर विदेशी हैं। सन डेली ने खबर दी है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि 33 अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। उनमें से कई की हालत नाजुक है। इसमें कहा गया है कि क्लेंग घाटी के कई नगरों में संदिग्ध जहरीली शराब के कारण 15 लोगों की मौत हो गई है। घटनास्थल मलेशिया की राजधानी से करीब 33 किलोमीटर दूर है। वरिष्ठ पुलिस मुख्य आयुक्त डी एम मंसूर ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि जहरीली शराब की वजह से यह घटना हुई है लेकिन पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

जर्मनी: दुनिया की पहली प्रदूषण रहित हाइड्रोजन ट्रेन शुरू, 140 किमी प्रति घंटा की स्पीड से करेगी सफर

नई दिल्ली। वाहनों से होने वाला प्रदूषण वातावरण में होने वाले प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह है।

इस समस्या को खत्म करने के लिए जर्मनी ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। जर्मनी ने दुनिया की पहली हाइड्रोजन पॉवर ट्रेन का सफल ट्रायल किया है, जो बिल्कुल भी प्रदूषण नहीं करेगी। ये ट्रेन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन की जगह भाप और पानी की बूंदों का उत्सर्जन करेगा।

यह ट्रेन 140 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से सफर करेगी।

यह ट्रेन जर्मनी की बिना शोर करने वाली ट्रेनों के नेटवर्क में भी जोड़ी जाएगी, क्योंकि हाइड्रोजल से चलने वाली ट्रेन ना के बराबर शोर करेगी। इसमें एक समय पर 300 यात्री तक सफर कर सकते हैं।

हाइड्रेल के उपनाम से प्रचलित इस ट्रेन को Coradia iLint trains कहा जाता है, जिसे Alstom ने बनाया है। जो कि एक हाइड्रोजन टैंक पर 1,000 किलोमीटर तक चल सकती है। साथ ही ये ट्रेन lithium-ion बैटरी पर कार्य करेगी, जो कि हाइड्रोजन मोलेक्यूल के साथ कैमिकल रिएक्शन करके बिजली का उत्पादन करती है।

जर्मनी में यह ट्रेन रविवार से कार्य करना शुरू कर दी है।

आने वाले दिनों में 14 और हाइड्रोजन ट्रेन आने की संभावना है। ट्रेन बनाने वाली कंपनी ने कहा कि दूसरे देशों जैसे यूके, नीदरलैंड, इटली, कनाडा, नोर्वे और डेनमार्क से भी ऐसी ट्रेनों की डिमांड आ रही है।

भारत में सुधर रहा है बच्चों का स्वास्थ्य

वाशिंगटन ■ एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक तथा समाजसेवी बिल गेट्स ने मंगलवार को कहा कि भारत में साल दर साल बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। हालांकि उन्होंने पोषण बेहतर करने तथा मौत से छुटकारा पाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अधिक धन निवेश करने की जरूरत पर जोर भी दिया। उन्होंने कहा कि भारत में टीकाकरण की पहुंच की दर काफी बेहतर हुई है तथा नये टीकों का बड़ा प्रभाव पड़ेगा। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के प्रमुख ने संवाददाताओं से कहा, भारत में बच्चों का स्वास्थ्य साल दर साल बेहतर हो रहा है। भारत सरकार और राज्यों के कई नेता टीकाकरण की पहुंच बेहतर करने जैसी चीजों के लिए श्रेय के पात्र हैं। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के बारे में राय पूछे जाने पर गेट्स ने कहा कि जब उन्होंने और उनकी संस्था ने बिहार तथा उत्तरप्रदेश में काम शुरू किया था तब टीकाकरण की पहुंच की दर 40 प्रतिशत से भी नीचे थी। इस कारण हजारों अनावश्यक मौतें हो रही थीं। गेट्स ने कहा कि काफी सारी चीजें बेहतर होने के बाद भी कुपोषण की समस्या के हल में भारत काफी पीछे है। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र को दिया जाने वाला बजट उस स्तर से काफी कम है जो हमें लगता है कि पोषण बेहतर करने तथा मौतों से छुटकारा पाने के लिए आवश्यक है। हालांकि कुल मिलाकर चीजें सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा कि भारत की नयी डिजिटल संरचना ने गरीबी, स्वास्थ्य और शिक्षा की मुख्य चुनौतियों से निपटने के कुछ अच्छे अवसर दिए हैं।

अभी भी बजट बढ़ाने की जरूरत: गेट्स

राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए लगा करंट, शिक्षक और तीन छात्रों की मौत

पेशावर,(एजेंसी)। पेशावर के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक स्कूल में मंगलवार की सुबह करंट लगने से एक शिक्षक और तीन छात्रों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिकने पुलिस के हवाले से बताया कि दुर्घटना तब हुई जब छात्र सुबह की दुआ के समय राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहे थे।

इस दौरान लोहे की पाइप बिजली के तार के संपर्क में आ गई जिससे उनकी मौत हो गई। इसके परिणामस्वरूप तीन छात्रों और एक शिक्षक की मौत हो गई। छात्रों को बचाने में एक अन्य शिक्षक और एक सुरक्षाकर्मी जख्मी हो गए। जख्मी लोगों को प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि छात्र क्रमश- चौथी, पांचवीं और आठवीं कक्षा के छात्र थे। घटना की जांच चल रही है। बहरहाल, सुरक्षा कारणों से स्कूल को तुरंत बंद कर दिया गया।

सीरिया के ऊपर रूस का सैन्य विमान लापता

मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि सीरिया के ऊपर उड़ान भर रहा मास्को का एक सैन्य विमान रडार से गायब हो गया। इसमें 14 सैनिक सवार थे। मंत्रालय के मुताबिक, भूमध्य सागर के ऊपर इलूयशिन आईएल-20 विमान का रडार से संपर्क टूट गया। बीबीसी के मुताबिक, सोमवार को रात लगभग 11 बजे संपर्क टूट गया। यह घटना सीरियाई तट से लगभग 35 किलोमीटर दूर उस समय हुई, जब विमान लताकिया के पास मेमिम सैन्यअड्डे की ओर लौट रहा था।

जुडिशल काउन्सिल ने की ग्रीन इंडिया डे की शुरुवात

भारत के इतिहास में जुडिशल काउन्सिल ने 18 सितेम्बर को भारत के विभिन्न शहरों में ग्रीन इंडिया डे मना कर मील का पत्थर खडा कर दिया , ग्रीन इंडिया डे यह नाम दिया है जुडिशल काउन्सिल नामक एनजीओ ने , ग्रीन इंडिया डे की भारत को हरा भरा बनाने की यह मुहीम जारी रहेगी और हर वर्ष 18 सितेम्बर को यह दिन ग्रीन इंडिया डे के रूप में मनाया जायेगा सिर्फ यही नहीं ग्रीन इंडिया डे जुडिशल काउन्सिल की मुहीम के अंतर्गत स्कूलों , कालेजों , सार्वजनिक स्थल तथा हर वह .जगह जहाँ यह लगता है की हरियाली की जरूरत है उस स्थान पर हरियाली के लिए पौधा लगाया जायेगा भारत सरकार तथा दिल्ली सरकार को पत्र तथा ईमेल के माध्यम से सरकार से गुजारिश की गयी है की दिल्ली में रिज रोड एरिया में रैन्फोरेस्ट बनाया जाये जो आज के समय की जरूरत है हम सभी तथा विश्व में वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे तथा अर्थ डे मनाया जाता है , परंतु आज तक भारत ने ग्रीन डे नहीं मनाया , और आज जुडिशल काउन्सिल इस की पहल कर रहा है बढ़ते हुए प्रदुषण तथा ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए आज पर्यावरण की सुरक्षा हर आम आदमी की जरूरत है अगर इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो आदमी को जिन्दगी भर दवाओं पर आश्रित रहेना पड़ेगा , ग्रीन इंडिया डे दिल्ली के अलावा विभिन शहरों में मनाया गया प्रमुख शहरों में अमृतसर , कोल्कता बंगलोर , कानपुर ,लखनऊ .धनबाद मुख्य रहे

इस अवसर पर बोलते हुए जुडिशल काउन्सिल के डायरेक्टर जनरल श्री राजीव अग्निहोत्री ने कहा ? आज किसी भी प्लांटेशन ड्राइव का उद्देश्य, पर्यावरण से लड़ना है पर यह उद्देश्य तब तक पूरा नहीं सो सकता जब तक सब का साथ निरंतर न हो और सरकार को चाहिए की वोह सिर्फ दिखाने के लिए पेड़ पौधे ना लगाये वरन वो लोगों में इसका मोह जगाये, इसके लिए रैन्फोरेस्ट को तैयार करे तथा कुछ स्थानो को रैन्हारवीस्तिंग के रूप में विकसित करें जिस से पौधों को प्रयापत मात्रा में पानी मिल सकें और कड़ी गर्मी में भी पानी की किल्लत न हो, रेन फारेस्ट तैयार करना थोडा मुश्किल होगा क्यों की वहां पर पानी की लगातार व्यवस्था होनी चाहिए ,

ग्रीन इंडिया डे के अवसर पर पेड़ पौधे लगाये गए तथा आम नागरिकों को पेड़ पौधे बांटे भी गए ग्रीन इंडिया डे की महत्वता पर बोलते हुए श्री अग्निहोत्री ने कहा इसकी शुरूवात 18 सितेम्बर को जरुर हो रही है पर ग्रीन इंडिया की मुहीम सतत जारी रहेगी श्री अग्निहोत्री ने

बताया बहुत ही जल्द इस स्थान पर जहाँ आज पेड़ पौधे लगे हैं , फलों के पौधे भी लगाये जायेगे जिसका का इस्तेमाल पशु पक्षी कर सकें , ग्रीन इंडिया डे में आज जहाँ वकीलों , जुडिशल काउन्सिल के वालंटियर तथा आम आदमियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया.

इस अवसर पर अपील करते हुए जुडिशल काउन्सिल के डायरेक्टर जनरल श्री अग्निहोत्री ने कहा जन्म दिन पर केक काटें पर रीटूर्न गिफ्ट में भेंट स्वरुप पौधा ही दे साथ ही अपने जन्म दिन पर कम से कम एक पौधा लगाये

अधिवक्ता विजय ने यह ख़ुशी जाहिर की , कि ग्रीन इंडिया डे में उनको भी हिस्सा लेने का मौका मिला और जुडिशल काउन्सिल और जुडिशल काउन्सिल के डायरेक्टर जनरल श्री राजीव अग्निहोत्री को बहुत धनयवाद दिया तथा कहा आज से में अपने जन्म दिन पर पौधा जरूर भेंट दूँगा. तथा जो भी मेरे मित्र हैं उनसे भी आग्रह करूँगा की पौधा अवश्य भेंट करें तथा हर वर्ष 18 सितेम्बर को ग्रीन इंडिया दे के रूप में मनाएं

जुडिशल काउन्सिल के स्वयं सेवक बहुत जल्द खुद स्कूलों , कॉलेजों , कारखानों ,सार्वजनिक स्थल तथा अस्पतालों में जा कर वहां पौधा रोपण करेंगे।

गणपति बप्पा मोरिया.....

साई नाथ सोसायटी कनकपुर कनसाढ, सचिन।

साई नाथ सोसायटी कनकपुर कनसाढ, सचिन।

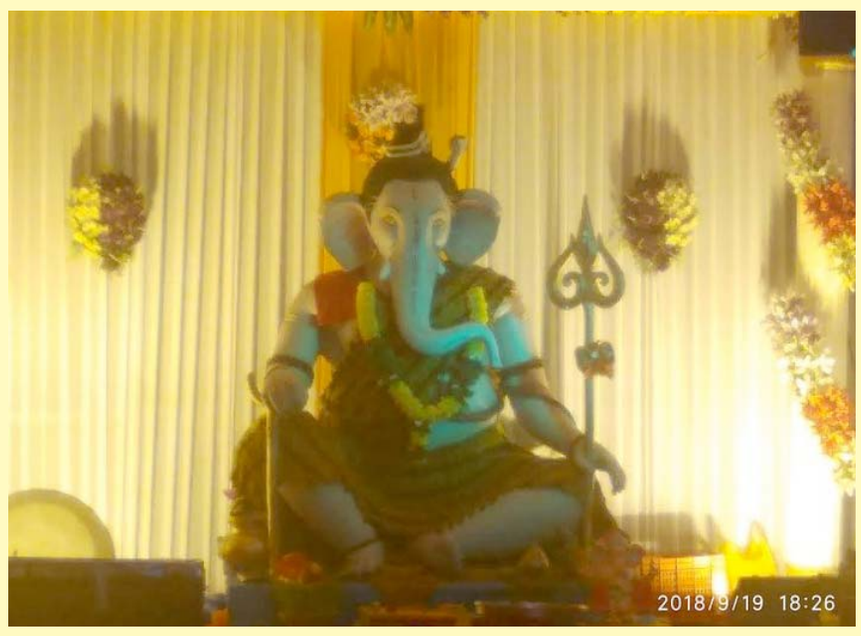

गणेश नगर पांडेसरा सूरत।

वीर तेजा जी महाराज की निकली भव्य शोभायात्रा

सूरत। विश्व हिन्दु परिषद गौ रक्षा आंदोलन समिति के तत्वाधान में बुधवार की सुबह डी. आर. वर्ल्ड पर्वत पाटिया से राजस्थान जाट समाज भवन पर्वत पाटिया तक वीर तेजा जी महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस शोभायात्रा में विभिन्न हिन्दु संगठनों के अग्रणियों तथा गौ रक्षकों एवं गौ भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य आयोजक एवं विश्व हिन्दु परिषद गौ रक्षा आंदोलन समिति के प्रांत संयोजक नरेन्द्र चौधरी, ओम प्रकाश चौधरी, राजस्थान जाट समाज के अध्यक्ष केलाश जी बेनीवाल, दिनेश जी बाबल, बाबुलाल खादव, विक्रम सेखावत, महेन्द्र सिंह राजपुरोहित, विजय चोमाल, रामनिवास बिसु, पान्चाराम जी ढाडिया ने शोभायात्रा की अगवानी की इस अवसर पर इश्वर बेनीवाल (मुन्ना भाई) मौजुद रहे। ये रैली डी. आर. वर्ल्ड पवर्त पाटिया से निकल कर राजस्थान जाट भवन पवर्त पाटिया पहुंची।

सूरत। सूरत में लारी गल्ला चलाने वाले ने निकाली एस.एम.एसी के खिलाफ विशाल रैली। इस रैली में बड़ीं संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया। लारी गल्ले चलाने वालों को एस.एम.एसी द्वारा आये दिन लारी गल्ला उठा कर परेशान करे के खिलाफ रैली निकाली गई। लारी गल्ले चलाने वालों का कहना है कि अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो पूरे प्रदेश में इस तरह की रैली निकाली जाएगी।

शराबबंदी संबंधित नये नियम घोषित हुए

शराबबंदी के चुस्त अमल के लिए सरकार कटिबद्ध

अहमदाबाद। गुजरात के गृह राज्य मंत्री प्रदिपसिंह जाडेजा ने आज एकबार फिर कहा कि शराबबंदी के चुस्त अमल के लिए राज्य सरकार संपूर्ण रुप से प्रतिब्ध है। स्वास्थ्य परमिट रखनेवाले लोगों के लिए नये कड़े नियम भी घोषित किये गये है। गुजरात विधानसभा में नियम ४४ के तहत नये नियम की घोषणा प्रदिपसिंह जाडेजा की ओर से की गई। जिसके चलते राज्य में २६ एरिया मेडिकल बोर्ड की व्यवस्था रद्द कर दी गई है। नये छह एरिया मेडिकल बोर्ड बनाये गए है। नीजि डॉक्टर के प्रमाणपत्र की व्यवस्था भी रद्द कर दी गई है। दुसरी और राज्य मेडिकल बोर्ड की पुन:रचना की गई है। विधानसभा में नये नियम घोषित करते हुए प्रदीपसिंह जाडेजा ने बताया कि मुख्यमंत्री रुपाणी ने शराबबंदी के चुस्त अमल के लिए खास ध्यान केन्द्रित किया है। इसके अलावा कड़ी कार्यवाई भी शुरु की है।

जाडेजा ने बताया कि गत वर्ष विधानसभा सत्र में नशाबंदी व्यवस्था में सुधार करते हुए कानून को और अधिक कड़ा बनाया गया था। जिसके बहुत से सारे परिणाम मिले है। हेल्थ आधारित परमिट लेने वाले परमिट धारको के लिए भी नये नियम बनाये गए है। जिसके चलते परमिट धारको की संख्या में भी नियंत्रण लाने का राज्य सरकार ने निर्धार किया है। नये नियम के तहत हेल्थ परमिट हांसिल करने के लिए अबतक अर्जीदार को अर्जी के साथ निजी डॉक्टर का प्रमामपत्र रखना पडता था। इस व्यवस्था को अब खतम कर दी गई है। अब नीजि डॉकटर का प्रमाणपत्र नहीं चलेगा। एरिया मेडिकल बोर्ड में सुप्रीटेन्डेन्ट स्तर के अधिकारी के अभिप्राय के आधार पर परमिट मिलती है। इसके बदले नये एरिया मेडिकल बोर्ड के आधार पर नई परमिय मिलेगी या नहीं यह बात नक्की होगी। जाडेजा ने कहा कि हेल्थ परमिट हांसिल करने के राज्य में २६ एरिया मेडिकल बोर्ड की व्यवस्था की गई है।

मंत्रियों का वेतन अब १,३२,०००, विधायको का वेतन १,१६,०००

मंत्री और विधायकों के वेतन में हुई बढोतरी

वेतन वृद्धि दिसंबर २०१७ से लागू होगी : विधानसभा में गुजरात वेतन भत्ता संशोधन विधेयक २०१८ पेश किया गया : जाड़ेजा ने घोषणा की

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा के सदस्यों, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, विरोध पक्ष के नेता समेत सतेचकों के वेतन और भत्ते में बढ़ोतरी की गई है। गुज रात में मंत्रियों और विधायको का वेतन बढ़ गया है। गुजरात में मंत्रियों का वेतन अब १,३२,००० रुपये और विधायको का वेतन अब १,१६,००० रुपये हो गया है। आज गुजरात विधानसभा में विधायक और मंत्रियों की वेतन वृद्धि से संबंधित विधेयक सर्वसंमति से पारित हो गया। वेतन वृद्धि दिसंबर २०१७ से लागू होगी। गुजरात के गृह राज्य मंत्री प्रदिपसिंह जाडेजा ने गुजरात वेतन भत्ता संशोधन विधेयक २०१८ को संसद में पेश किया। राज्य के विधायको का वेतन पहले ७०,७२७ रुपये था वह अब बढ़कर १,१६,३१६ हो गया है। विधायको के वेतन में करीब ४० हजार रुपये की बढौतरी की गई है। मंत्री, सचेतक आदि का वेतन ८६८०४ से बढ़ाकर १३२३९५ कर दिया गया है। इसी तरह विधायको का दैनिक भत्ता २०० रुपये से बढाकर १००० रुपेय कर दिया गया है। विधायको और मंत्रियों को सरकार करीब साढे छह करोड रुपये का एरियर देगी। वेतन वृद्धि से सरकार की तिजोरी पर १० करोड़ का अतिरिक्त बोज पडेगा। विधानसभा की ओर से बढाया गया वेतन सदस्यो को दिसम्बर २०१७ से मिलेगा। इस बीच कांग्रेस के विधायक विरजी ठुम्मर ने विधायकों के गरीब ४३,००० तथा मंत्रियों के वेतन वृद्धि करीब ४५ हजार को भी ना काफी बताया है। कांग्रेस के ही दुसरे विधायक प्रतापसिंह ने संसद के बाहर आखिर कहा की जबतक राज्य में किसान के कर्ज माफ नहीं होंगे वे वेतन वृद्धि स्वीकर नहीं करेंगे। जबकि १८२ सदस्यों वाले सदन में किसी भी सदस्य ने वेतन वृद्धि का विरोध नहीं किया है।

गुजरात विधानसभा के सदस्यों, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्रियों, विरोध पक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते में बढौतरी कर दी गई है। इससे संबंधित संशोधन विधेयक २०१८ को प्रस्तुत करते हुए प्रदीपसिंह जाडेजा ने कहा कि देश के अन्य राज्यो की विधानसभा के विधायको समेत सचेतकों की तुलना में गुजरात विधानसभा के सदस्यो और सतेचकों को मिलनेवाले पगार और भत्ते कम है। साल २००५ से उसमें कोई भी बढौतरी नहीं की गई है। विधायको ने जनसंपर्क कामगीरी के संबंध में लगातार प्रवास किये है। जिसके चलते खर्च में बढौतरी हुई है। पगार-भत्ते में बढौतरी जरुरी बन गई थी। राज्यमंत्री प्रदिपसिंह जाडेजा ने संशोधन विधेयक प्रस्तुत करते हुए कहा कि विधायको ने राज्य सरकार के उपसचिव को मिल रहे न्युनतम मूलभूत वेतन के बदले नायब सचिव के स्तर में मिलने वाले पगार को लेकर बात की थी।

जिसके चलते अब विधायको को उपसचिव के समकक्ष पगार मिलेगा। गुजरात के विधायकों को इन दिनो प्रति महिने ७०७२७ रुपये पगार भत्ते के रुप में मिलते है। सूचित संसोधन के तहत अब विधायको, मंत्रियों और सचेतको को अधिक पगार मिलेगा। उत्तराखंड में विधायको का वेतन सबसे अधिक है। दुसरे नंबर पर तंलगाणा और तिसरे नंबर पर झारखंड है। राजस्थान में विधायको को वेतन भत्ते के रुपये १३०००० रुपये मिलते है। महाराष्ट्र में २१३१३० रुपये मिलते है। विरोध पक्ष के नेता को इन दिनो प्रति मास पोस्ट खर्च के १००० रुपये मिलते है उसेक बढाकर अब १० हजार रुपये किये जा रहे है।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)

हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।

304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

कांग्रेस के सदस्यों ने साइकल रैली की : सरकार पर आक्षेप

अहमदाबाद। किसानो के मुद्दो को लेकर कांग्रेस ने किसान आक्रोश रैली का आयोजन किये जाने के एक दिन बाद आज गुजरात विधाानसभा सत्र के दुसरे और अंतिम दिन भी हंगामा किया। कांग्रेस के विधायक साइकल लेकर रैली पर निकले। विधायकों ने एमएलए कवाटर्स से लेकर विधानसभा तक साइकल रैली का आयोजन किया। महंगाई और पेट्रोल-डिजल के लगातार बढ़ रहे भाव के खिलाफ यह रैली का आयोजन किया गया। किसानों के प्रश्नो को लेकर कुंभकर्ण की निंद में सोइ हुई भाजप सरकार को जगाने के लिए कांग्रेस के विधायको ने यह साइकल रैली का आयोजन किया। जिसके चलते सभी लोगों का ध्यान इस और आकर्षिक हुआ।

उधना पुलिस स्टेशन ने धारा 363, 376 के आरोपी का किया स्कैच जारी।

दर्शना बेन जरदोश ने सी.सी. टीवी के लिए दिए 10 लाख

सूरत। शहर की सांसद दर्शना बेन जरदोश द्वारा शहर की सुरक्षा के लिए सी.सी.टीवी लगाने हेतु पुलिस कमिश्नर सतीश शर्मा को 10 लाख रुपए का चेक दिया गया। दर्शना बेन ने बताया की शहर मे हो रहे आए दिन अपराधों को रोकने के लिए सूरत शहर की पुलिस मुश्तैदी से अपना काम कर रही है लेकिन नई टेकनोलोजी लाने से पुलिस का काम आसान होगा और पुलिस अपराधियों तक आसानी से पहुंच सकेंगी इस लिए उन्होंने शहर भर में सी.सी.टीवी लगवाने के लिए 10 लाख रुपए का चेक दिया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com